हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

भाषा संकाय

हिंदी विभाग

15 मार्च, 2021 को आयोजित सातवीं पाठ्यसमिति की बैठक का विवरण

हिन्दी विभाग की सातवीं पाठ्य समिति की बैठक दिनांक **15 मार्च, 2021** को हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के धौलाधार परिसर-एक, धर्मशाला में दोपहर 01.00 बजे आयोजित हुई | ऑनलाइन इस बैठक का प्रारम्भ सदस्यों के स्वागत से हुआ | विभाग के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि ने सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया |

इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य आमंत्रित थे :

1. डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि - संयोजक एवं विभागाध्यक्ष (उपस्थित) 15.3.2021
2. डॉ. बृहस्पति मिश्र, संकाय प्रमुख (उपस्थित) 15-3-2021
3. प्रो. ओमप्रकाश सारस्वत - बाह्य विषय-विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (उपस्थित)
4. प्रो. भूपेन्द्र राय चौधरी- बाह्य विषय-विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय,गौहाटी, असम (अनुपस्थित)
5. प्रो. बल्देव भाई शर्मा – माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य (उपस्थित)
6. प्रो. रोशनलाल शर्मा - विशेष आमंत्रित सदस्य (अनुपस्थित)
7. प्रो. संजीव गुप्ता- विशेष आमंत्रित सदस्य (अनुपस्थित)
8. डॉ. चन्द्रकान्त सिंह – प्राध्यापक सदस्य (उपस्थित)

(विभागीय बैठक प्रारूपण कार्य- डॉ प्रिया शर्मा)

इस मीटिंग में, प्रत्येक एजेंडा आइटम अध्यादेश संख्या 4 (केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 23 क़ानून 16 (2) के तहत तैयार की गई थी जिसे बोर्ड ऑफ़ स्टडीज के सदस्यों की सर्वसम्मति द्वारा बोर्ड के संविधानानुसार हल किया गया ।

विषय क्र. एच.आईएल/बीओएस/7.1:

- छठी बी.ओ.एस. की कार्यवृत का अनुमोदन किया गया |

विषय क्र. एच.आईएल/बीओएस/7.2:

गत वर्ष (7.2.2020) पाठ्यक्रमों में हुए परिवर्तन का अवलोकन ।

कार्यवाही

सभी पाठ्यसमिति के सदस्यों ने गत वर्ष के पाठ्यक्रमों का अवलोकन करके विचार - विमर्श किया ।

विषय क्र. एचआईएल/बीओएस/7.3:

हिंदी विभाग के नवीन पाठ्यक्रमों की संस्तुति हेतु (संलग्नक-1)

कार्यवाही:

हिंदी विभाग के नवीन इक्कीस पाठ्यक्रमों की संस्तुति हेतु चर्चा हुई। सभी माननीय सदस्यों को हिंदी विभाग के अध्यक्ष ने नवीन पाठ्यक्रमों को पढ़ कर सुनाया। पाठ्यक्रमों में जहाँ परिवर्तन की आवश्कता थी, माननीय सदस्यों द्वारा वहाँ संशोधन किया गया ताकि विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम सरल और सुपाठ्य हो सके । पूर्वोतर से संबंधित पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में आदरणीय प्रो. सारस्वत जी ने उसकी मूलभूत समस्याओं की ओर इशारा किया और विद्यार्थियों को मूल पाठ उपलब्ध कराने हेतु विभाग की आश्वस्ति माँगी । माननीय सदस्यों द्वारा पूर्वोत्तर साहित्य से संबंधित कतिपय सुझाव दिए गए । लोक साहित्य का पाठ्यक्रम विस्तृत हो गया था, जिसे संक्षिप्त एवं व्यवस्थित किया गया।

अध्यक्ष

हिन्दी विभाग

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-101 (HIL-101) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम विषयवस्तु

इकाई-1

साहित्य का इतिहास दर्शन और दृष्टियाँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं समस्याएँ, हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण ।

इकाई-2

आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ - सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य परंपरा एवं रासो ग्रंथों की प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ, आरंभिक गद्य एवं लौकिक साहित्य ।

इकाई-3

भक्ति आंदोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, प्रमुख निर्गुण संत,निर्गुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ । प्रमुख सगुण भक्त कवि, सगुण कवियों की प्रमुख रचनाएँ, सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ और उनकी शाखाएँ, सगुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ। भारत में सूफी मत का उदय और विकास, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ ।

इकाई-4 गुरुनानक देव कालीन भारत की राजनैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि, गुरुनानक देव का चिंतन और विचार-साधना, नानक परम्परा की खालसा में परिणति, गुरुनानक वाणी की प्रासंगिकता ।

इकाई-5

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि; रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकार; रीतिबद्ध काव्यधारा - केशवदास, चिंतामणि, रीतिसिद्ध काव्यधारा-बिहारी, रीतिमुक्त काव्यधारा-घनानंद, द्विजदेव, खालसा पंथ और गुरु गोविन्द सिंह का साहित्यिक प्रदेय, अन्य प्रमुख कवि ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंद राम शर्मा

6. साहित्य का इतिहास -दर्शन- आचार्य नलिनविलोचन शर्मा

7. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

9. हिंदी साहित्य: एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंह

10. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया

11. हिंदी साहित्य का इतिहास: नये विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेश कुमार जैन

12. हिन्दी आलोचना का विकास - डॉ. नंदकिशोर नवल

13. हिंदी साहित्य: बीसवीं शताब्दी - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

14. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पाण्डेय

15. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

16. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

17. श्री गुरुनानक देव जी - प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री

18. इतिहास और आलोचना - डॉ. नामवर सिंह

19. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी

20. हिन्दी आलोचना का इतिहास - डॉ. रामदरश मिश्र

21. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समीक्षा- डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर -1

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-102 (HIL-102) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक- आदिकालीन काव्य एवं भक्तिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु

इकाई-1

क) हिंदी साहित्य का आदिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) सिद्ध एवं नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य एवं लौकिक काव्य

ग) पूर्व मध्यकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-2

पृथ्वीराज रासो : काव्य-सौष्ठव

क) पाठ विवेचन : चंदबरदाई - पृथ्वीराज रासउ (रेवा तट)

ख) विद्यापति : प्रकृति वर्णन, भक्ति एवं श्रृंगार

ग) पाठ विवेचन : (सन्दर्भ ग्रन्थ : सं नरेंद्र झा, 'विद्यापति पदावली', पद संख्या : 2,5,7,10,13,15,18.20,25

इकाई-3

कबीर : भक्ति, सामाजिक चिंतन

क) कबीर : पाठ विवेचन- [कबीर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी]
पद संख्या : 160,163, 169,170,173,175,178, 180,185 ,195

ख) नानक : भक्ति चेतना, युगीन यथार्थ

ग) नानक : पाठ विवेचन- 'झूठी देखी प्रीत', 'जो नर दुःख में दुःख नहिं माने','काहे रे बन खोजन जाई', 'प्रभु मेरे प्रीतम प्रान पियारे') (श्री गुरु नानक देव जी- प्रो कुलदीप चंद आग्निहोत्री)

इकाई-4

पद्मावत : समासोक्ति-अन्योक्ति

क) पद्मावत : पाठ विवेचन - ['नागमती वियोग खण्ड' (जायसी ग्रंथावली, आचार्य रामचंद्र शुक्ल (सम्पादन)

ख) सूर : भक्तिभावना, वात्सल्य वर्णन

ग) पाठ विवेचन- ['भ्रमरगीतसार' (सं आचार्य रामचंद्र शुक्ल), पद संख्या - 21,25,28,30,40,45,50,56,60,70

इकाई-5

क) तुलसी : लोक धर्म, समन्वय की भावना

क) पाठ विवेचन - ['उत्तरकाण्ड- 'कलियुग वर्णन' (श्रीराम चरित मानस)

क) मीरा का काव्य : सामाजिक पक्ष

ख) मीराबाई की पदावली : पाठ विवेचन- [मीराबाई का काव्य, (सं विश्वनाथ त्रिपाठी), प संख्या- 1,3,6,8,11,13,14,16,17,20

आधार ग्रन्थ :

1. विद्यापति -विद्यापति पदावली (सं) - नरेंद्र झा
2. पृथ्वीराज रासउ (पद्मावती समय)- चंदबरदाई
3. कबीर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. जायसी ग्रंथावली-आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. 'भ्रमरगीतसार'-(सं)- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. श्रीरामचरितमानस- गोस्वामी तुलसीदास
7. मीराबाई की पदावली=(सं.) विश्वनाथ त्रिपाठी
8. श्री गुरु नानक देव जी- प्रो कुलदीप चंद आग्निहोत्री

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ बच्चन सिंह
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. विद्यापति-डॉ. शिवप्रसाद सिंह
5. पृथ्वीराज रासो-(सं)आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
6. आदिकालीन काव्य- डॉ. वासुदेव सिंह
7. मध्यकालीन कविता के सामाजिक सरोकार- सत्यदेव त्रिपाठी
8. श्री गुरु नानक देव जी- प्रो कुलदीप चंद आग्निहोत्री
8. कबीर : कवि, साधक और समाज सुधार- डॉ राधेश्याम दुबे

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर -1

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-103 (HIL-103) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिन्दी कहानी

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1

1. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा
2. चंद्रदेव से मेरी बातें, दुलाईवाली-राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला) (परिचयात्मक)
3. एक टोकरी भर मिट्टी - माधव राव सप्रे (परिचयात्मक)
4. राही- सुभद्रा कुमारी चौहान (व्याख्या)

इकाई-2

1. दुनिया का अनमोल रतन- प्रेमचंद (परिचयात्मक)
2. कानों में कंगना - राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह (परिचयात्मक)
3. उसने कहा था -चंद्रधर शर्मा गुलेरी (परिचयात्मक)
4. आकाशदीप- जयशंकर प्रसाद (व्याख्या)

इकाई-3

1. अपना अपना भाग्य- जैनेंद्र (परिचयात्मक)
2. तीसरी कसम- फणीश्वर नाथ रेणु (परिचयात्मक)
3. गैंग्रीन (रोज)- अज्ञेय (व्याख्या)

इकाई-4

1. कोसी का घटवार- शेखर जोशी (परिचयात्मक)
2. अमृतसर आ गया है- भीष्म साहनी (परिचयात्मक)
3. सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती (व्याख्या)

इकाई-5

1. मातादीन चांद पर -हरिशंकर परसाई (परिचयात्मक)
2. पिता-ज्ञानरंजन (परिचयात्मक)
3. राजा निरबंसिया- कमलेश्वर (परिचयात्मक)
4. परिंदे- निर्मल वर्मा (व्याख्या)

संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रेमचंद: एक अध्ययन - डॉ. राजेश्वर गुरू
2. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
3. प्रेमचंद: एक विवेचन- डॉ. इंद्रनाथ मदान
4. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी - डॉ.त्रिभुवन सिंह
5. अज्ञेय का कथा साहित्य - डॉ. ओम प्रभाकर
6. विवेक के रंग - डॉ. देवीशंकर अवस्थी
7. हिंदी उपन्यास- डॉ. शिवनारायण श्रीवास्तव
8. कहानी नई कहानी- डॉ.नामवर सिंह
9. कहानी आंदोलन की भूमिका - डॉ.बलिराज पांडेय
10. आज की हिंदी कहानी- डॉ. विजयमोहन सिंह
11. उपन्यास का इतिहास- डॉ. गोपाल राय
12. उपन्यास : स्थिति और गति- चंद्रकांत बांदीवड़ेकर
13. यशपाल - डॉ. कमला प्रसाद
14. दूसरी परंपरा की खोज- डॉ. नामवर सिंह
15. नई कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य- डॉ. रामकली सर्राफ
16. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी
17. हिन्दी कथा सरिता - डॉ. शशिकला पाण्डेय

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-104 (HIL-104) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक- हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1

भाषा का विकास, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण, हिन्दी का स्वरूप और क्षेत्र, अवधी, ब्रज एवं खड़ीबोली की सामान्य विशेषताएं और साहित्यिक विकास, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, विश्वभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी, देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएं, हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण ।

इकाई-2

भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएं; भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं; भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियां; भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएं; समाज भाषा विज्ञान; शैली विज्ञान और कोश विज्ञान का सामान्य परिचय, पारिभाषिक शब्दावली के लक्षण ।

इकाई-3

स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, संस्वन, स्वनिम और स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया, स्वन भेद, मान स्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, स्वनिम के भेद एवं स्वनिम के वितरण सिद्धांत।

इकाई-4

रूप विज्ञान : शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूपिम और स्वनिम रूपिम का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन- कारण एवं दिशाएं ।

इकाई-5

अर्थ विज्ञान : शब्दार्थ संबंध विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-104 (HIL-104) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक- हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1

भाषा का विकास, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण, हिन्दी का स्वरूप और क्षेत्र, अवधी, ब्रज एवं खड़ीबोली की सामान्य विशेषताएं और साहित्यिक विकास, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, विश्वभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी, देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएं, हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण ।

इकाई-2

भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएं; भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं; भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियां; भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएं; समाज भाषा विज्ञान; शैली विज्ञान और कोश विज्ञान का सामान्य परिचय, पारिभाषिक शब्दावली के लक्षण ।

इकाई-3

स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, संस्वन, स्वनिम और स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया, स्वन भेद, मान स्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, स्वनिम के भेद एवं स्वनिम के वितरण सिद्धांत।

इकाई-4

रूप विज्ञान : शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूपिम और स्वनिम रूपिम का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन- कारण एवं दिशाएं ।

इकाई-5

अर्थ विज्ञान : शब्दार्थ संबंध विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।

संदर्भ ग्रन्थ :

1 भाषा विज्ञान - डॉ भोलानाथ तिवारी
2 भाषा विज्ञान- डॉ राजमल बोरा
3 भाषा विज्ञान की भूमिका -डॉ देवेंद्र शर्मा
4 भाषा विज्ञान के सिद्धांत- डॉ त्रिलोचन पांडेय
5 भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा- डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6 राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार- डॉ रामेश्वर प्रसाद
7 नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी- डॉ अनंत चौधरी
8 भाषा परिवार- डॉ रामविलास शर्मा
9 भारतीय आर्य भाषाएं और हिंदी- डॉ सुनीत कुमार चटर्जी
10 हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ धीरेंद्र वर्मा
11 हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- डॉ उदय नारायण तिवारी
12 संपर्क भाषा हिंदी- (संपादक)- सुरेश कुमार, ठाकुर दास
13 समकालीन हिंदी में रूप स्वानिमिकी- डॉ सुधाकर सिंह
14 हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण- डॉ त्रिभुवननाथ शुक्ल
15 कोश विज्ञान: प्राविधि एवं प्रणाली- डॉ त्रिभुवननाथ शुक्ल

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-1

कौशल विकास पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-104 (HIL-105) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - व्यावहारिक हिन्दी

पाठ्यक्रम विषयवस्तु-

इकाई-1

अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के गुण ।

इकाई-2

पत्र लेखन : सरकारी पत्राचार, प्रकार और स्वरूप, आवेदन पत्र, कार्यालय आदेश पत्र ।

इकाई-3

समाचार लेखन : समाचार लेखन की प्रक्रिया, समाचार पत्र का स्वरूप,समाचार के प्रकार, सम्पादकीय विभाग के कार्य, संपादक के नाम पत्र ।

इकाई-4

कार्यालयी हिन्दी : मसौदा लेखन (ड्राफ्टिंग), टिप्पणी लेखन, प्रारूपण लेखन।

इकाई-5

प्रशासनिक शब्दावली : प्रशासनिक शब्दावली के प्रमुख पचास शब्दों की व्याख्या ।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ विनोद गोदरे
2. शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी- कृष्ण कुमार गोस्वामी
3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी- कृष्ण कुमार गोस्वामी
4. आधुनिक हिंदी विविध आयाम- कृष्ण कुमार गोस्वामी
5. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- सु. नागलक्ष्मी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी - (सं) रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. राजभाषा हिंदी - कैलाशचन्द्र भाटिया
8. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग- गोपीनाथ श्रीवास्तव
9. कार्यालय क्रिया विधि : चिरंजीलाल

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-1

ह्यूमन मेकिंग कोर्स एम.ए (हिन्दी)

पाठ्यक्रम कूट संकेत:- एच.आई.एल-106 (HIL-106) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - व्यक्तितत्व विकास

पाठ्यक्रम विषयवस्तु;-

इकाई-1 व्यक्तित्व निर्माण के आयाम, व्यक्तित्व की संकल्पना

(क) व्यक्तित्व अर्थ एवं परिभाषाएं

(ख) व्यक्तित्व की अवधारणा एवं महत्त्व

भाव प्रधान, क्रिया प्रधान, विचार प्रधान

(ग) व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया

अभिप्रेरणा (मोटिवेशन), आत्मसिद्धि या चरमोत्कर्ष संबंधी आवश्यकता (सेल्फ रिलाइजेशन)

इकाई:-2 भाषा और समाज

(क) भाषा और वर्ग

(ख) भाषा लिंगबोध एवं जातीयता

(ग) भाषा और अस्मिता

इकाई-3 व्यक्तित्व निर्माण में हिंदी भाषा और साहित्य

(क) मौखिक एवं लिखित हिंदी साहित्य

(ख) राष्ट्रीय आंदोलन और हिंदी साहित्य

(ग) साहित्यिक विमर्श

इकाई-4 समकालीन भारत में संस्कृति एवं जनसंचार

(क) संस्कृति अध्ययन की अवधारणा

(ख) भरतीय संस्कृति : मूल्यबोध

(ग) लोक साहित्य की उपयोगिता और 'मास्टर ते जगतो' नामक हिमाचली-पहाड़ी कविता संग्रह की दो कविताएं: गीत, नरको सेई

इकाई-5 व्यक्तित्व निर्माण में भाषा नीति का विकास

(क) हिंदी राष्ट्रभाषा, राजभाषा,

(ख) हिंदी संपर्क भाषा, मानक भाषा, विश्व भाषा

(ग) द्विभाषिकता एवं बहुभाषिकता

पाठ्य ग्रंथ:

1. भाषा साहित्य और संस्कृति- डॉ. विमलेश कांति वर्मा (सं) मालती
2. हिंदी भाषा साहित्य और संस्कृति- डॉ पूरन चंद टंडन, डॉ. वेद प्रकाश
3. मास्टर ते जगतो-डॉ प्रिया शर्मा
4. चंबा अचंभा- मालाश्री लाल, सुकृतापाल कुमार

संदर्भ ग्रंथ:

1. लोक संस्कृति: अवधारणा और तत्त्व- डॉक्टर परशुराम विरही,
2. पॉवर थिंकिंग, मेडिटेंट- डॉक्टर उज्जवल पाटनी
3. गीतकार नीरज- डॉ. सी. वसंता
4. लोकप्रियता के शिखर गीत- (सं) डॉ. विष्णु सक्सेना
5. बीसवीं सदी का हिंदी साहित्य- डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. काव्य कल्पद्रुम-(संपादन)- डॉ. सुरेश कुमार जैन
7. हिंदी ग़ज़ल: दिशा और दिशा- डॉ. नरेश
8. साये में धूप-दुष्यंत कुमार
9. डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म, चंबा नेड़े ए के दूर-साहित्य अकादेमी नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-107 (HIL-107) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम विषयवस्तु:-

इकाई-1

आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि, आधुनिक काल की समय-सीमा, नामकरण और उपविभाजन, 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेंदु और उनका मंडल,19वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ, भारतेंदुकालीन साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई-2

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती की भूमिका, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

इकाई-3

छायावाद : पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावादी चेतना, छायावादी साहित्यिक अवदान, छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि- जयशंकर प्रसाद का काव्य, भाव-पक्ष एवं कला-पक्ष, सुमित्रानन्दन पंत का काव्य, सौन्दर्य -दृष्टि, काव्यगत विकास, काव्यभाषा, निराला का काव्य, महादेवी वर्मा का काव्य : जीवन दर्शन, रहस्यानुभूति, वेदना तत्व, गीति-तत्व।

इकाई-4

प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रगतिशील साहित्य, प्रयोगवाद और नई कविता, प्रमुख कवि - हरिवंश राय बच्चन, श्यामनारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, अज्ञेय, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, देवेंद्र दीपक आदि ।

इकाई-5

हिन्दी गद्य विधाएँ: जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रा-वृतांत, संस्मरण आदि, समकालीन नव लेखन, आधुनिक विमर्श : सामान्य परिचय, हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता, हिमाचल के हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय ।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंद राम शर्मा

6. साहित्य का इतिहास-दर्शन- आचार्य नलिनविलोचन शर्मा

7. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

9. हिंदी साहित्य: एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंह

10. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया

11. हिंदी साहित्य का इतिहास: नये विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेश कुमार जैन

13. हिंदी साहित्य: बीसवीं शताब्दी- - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

14. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पाण्डेय

15. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

16. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

17. इतिहास और आलोचना - डॉ. नामवर सिंह

18. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी

19. हिन्दी आलोचना का इतिहास - डॉ. रामदरश मिश्र

20. हिन्दी आलोचना का विकास - डॉ. नंदकिशोर नवल

21. आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

22. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

23. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास- डॉ सभापति मिश्र

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-108 (HIL-108) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु;-

इकाई-1

केशवदास - रसिकप्रिया 10 छन्द

बिहारी - सतसई - भक्ति, संयोग, वियोग शृंगार

इकाई-2

मतिराम - निर्धारित 01 से 15 छन्द

भूषण - शिवाजी प्रशस्ति एवं छत्रशाल प्रशस्ति

इकाई-3

गुरु गोविन्द सिंह- चंडी चरित्र (आरंभिक दस छंद)

सेनापति - श्लेष वर्णन 10 छन्द

देव - ऋतु वर्णन, रूप तरंग, वियोग वर्णन

इकाई-4

भिखारीदास - 10 छन्द

पद्माकर - 10 छन्द

शेखआलम - 10 छन्द

इकाई-5

स्वच्छन्द कवि: घनानन्द - 10 छन्द

ठाकुर - 05 छन्द

बोधा - 05 छन्द

द्विजदेव - 05 छन्द

पाठ्यग्रंथ: रीति काव्यधारा– डॉ . रामचन्द्र तिवारी

संदर्भ ग्रन्थ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र
2. भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार - डॉ. भोलाशंकर व्यास
3. पद्माकर - डॉ. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना - डॉ. बच्चन सिंह
5. केशव का आचार्यत्व - डॉ. विजयपाल सिंह
6. महाकवि मतिराम - डॉ. त्रिभुवन सिंह
7. रीतिकालीन काव्यसिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
8. घनआनन्द कवित्त - डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
9. घनआनन्द ग्रन्थावली - डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
10. कविवर सेनापति :दृष्टि और सृष्टि - डॉ सभापति मिश्र

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-109 (HIL-109) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिन्दी उपन्यास

पाठ्यक्रम विषयवस्तु;-

इकाई 1.

(क) हिन्दी उपन्यास: उद्भव एवं विकास यात्रा

(ख) प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास

इकाई 2.

(क) प्राम्भिक हिन्दी उपन्यास और परीक्षा गुरु: एक परिचय

(ख) प्रेमचन्द एवं समकालीन अन्य उपन्यास

(ग) गोदान (प्रथम-भाग) (व्याख्यात्मक)

(घ) ललितादित्य (परिचयात्मक)

इकाई 3

(क) हिन्दी के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन

(ख) शेखर: एक जीवनी (प्रथम-भाग) (परिचयात्मक)

(ग) बाणभट्ट की आत्मकथा (प्रथम भाग- व्याख्यात्मक)

इकाई 4.

(क) देश विभाजन का हिन्दी उपन्यास- झूठा-सच (परिचयात्मक)

(ख) देश की हत्या (परिचयात्मक)

इकाई 5.

(क) समकालीन चेतना और हिन्दी उपन्यास

(ख) मैला आंचल (परिचयात्मक)

(ग) जहाज का पंक्षी (परिचयात्मक)

पाठ्य ग्रन्थ:

1. परीक्षा गुरु-श्रीनिवास दास
2. गोदान - प्रेमचन्द
3. ललितादित्य -वृन्दावन लाल वर्मा
4. मैला आँचल -फणीश्वरनाथ रेणु
5. देश की हत्या - गुरुदत्त
6. बाणभट्ट की आत्मकथा -हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. आपका बंटी -मन्नू भंडारी
8. धरती धन न अपना - जगदीश चन्द्र
9. शेखर एक जीवनी (भाग -1) -अज्ञेय
10. जहाज का पंछी- शेखर जोशी

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य एवं संवेदनात्मक विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा- रामदरश मिश्र
4. उपन्यास का शिल्प- गोपाल राय
5. उपन्यासःस्थिति एवं गति- चन्द्रकान्त वांदिवडेकर
6. हिन्दी उपन्यास का विकास- मधुरेश
7. प्रेमचन्द और उनका युग- रामविलास शर्मा
8. उपन्यासः स्वरूप एवं संवेदना- राजेन्द्र यादव
9. हिन्दी उपन्यास का इतिहास- गोपाल राय
10. अज्ञेय के उपन्यास- गोपाल राय
11. उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी- त्रिभुवन सिंह
12. आधुनिक हिंदी उपन्यास - (सं.) भीष्म साहनी, रामजी मिश्र
13. प्रेमचंद: एक अध्ययन - डॉ. राजेश्वर गुरु
14. प्रेमचंद: एक विवेचन- डॉ.इंद्रनाथ मदान
15. हिंदी उपन्यास- डॉ. शिवनारायण श्रीवास्तव
16. उपन्यास का इतिहास- डॉ. गोपाल राय
17. यशपाल - डॉ. कमला प्रसाद
18. दूसरी परंपरा की खोज- डॉ. नामवर सिंह
19. अज्ञेय का कथा साहित्य - डॉ. ओम प्रभाकर
20. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-110 (HIL-110) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - प्रवासी हिन्दी साहित्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु-

इकाई-I

(क) हिन्दी के प्रवासी साहित्य की अवधारणा व स्वरूप

(ख) हिन्दी प्रवासी साहित्य का आरम्भ व विकास

इकाई-2

मारीशस का हिन्दी साहित्य

(क) अभिमन्यु अनत कृत- 'लाल पसीना' का पाठ विश्लेषण

(ख) ब्रजेन्द्र कुमार भगत 'मधुकर कृत-'मातृभूमि मारीशस' कविता का पाठ एवं समीक्षा

(ग) कृष्णलाल बिहारी कृत- 'पहला-कदम' उपन्यास का सार परिचय

(घ) सरिता बुद्धू कृत - 'कन्यादान' उपन्यास का परिचय

इकाई-3

अमेरिका का हिन्दी साहित्य

(क) सुषम बेदी कृत- 'हवन' उपन्यास का पाठ-विश्लेषण

(ख) अंजना सधीर -'तुम मेरे पापा जैसे नहीं हो (कविता संग्रह)

(ग) उषा प्रियंवदा- वापसी (कहानी)

(घ) सुधा ओम ढींगरा - कौन-सी जमीन अपनी (कहानी)

इकाई-4

इंग्लैण्ड में हिन्दी साहित्य

(क) दिव्या माथुर - आक्रोश (कहानी) का मूल्यांकन

(ख) उषाराजे सक्सेना - इन्द्रधनुष की तलाश में (कविता)

(ग) नीना पॉल-'कुछ गांव-गांव कुछ शहर-शहर' उपन्यास की समीक्षा

इकाई-5

विदेशों में हिन्दी भाषा की स्थिति और पत्र-पत्रिकाएं

(क) मारीशस की 'वसन्त, पंकज, जनवाणी पत्रिका का परिचय

(ख) इंग्लैण्ड की 'पुरवाई' पत्रिका का परिचय

(ग) विदेशों में हिन्दी भाषा का विस्तार, संभावनाएं और भविष्य

आधार ग्रंथ-

उपन्यास

1. हवन -सुषम बेदी
2. लाल पसीना -अभिमन्यु अनत
3. कुछ गांव-गांव कुछ शहर-शहर- नीना पाल
4. कौन देस का वासी -सूर्य बाला
5. पहला कदम -कृष्णलाल बिहारी
6. कन्यादान- सरिता बुद्धू

कहानी संग्रह

7. वापसी -उषा प्रियवंदा
8. आक्रोश -दिव्या माथुर
9. प्रवास में -उषाराजे सक्सेना
10. कौन-सी जमीन अपनी - सुधा ओम ढींगरा
11. कविता कोश -ब्रजेन्द्र कुमार भगत

कविता संग्रह

12. तुम मेरे पापा जैसे नहीं हो -अंजना संधीर

13. सपनों की राख तले -दिव्या माथुर

14. इन्द्रधनुष की तलाश में - उषाराजे सक्सेना

संदर्भ ग्रन्थ -

1. मारीशस की हिन्दी यात्रा -विनोद बाला अरुण

2. हिन्दी का प्रवासी साहित्य -डॉ कमल किशोर गोयनका

3. ब्रिटेन में हिन्दी -उषाराजे सक्सेना

4. विदेशों में हिन्दी -सं. डॉ कमल किशोर गोयनका, डॉ रामकुमार गुप्त

5. प्रवासी साहित्यकार मूल्यांकन श्रृंखला -सं- डॉ रमा महेन्द्र प्रजापति

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-111 (HIL-111) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक -अरबी- फारसी लिपि में लिखित हिन्दी साहित्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1

अरबी- फारसी लिपि में लिखित हिन्दी साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष

i हिन्दी भाषा और उसकी विभिन्न बोलियां : उद्भव और विकास
ii अरबी- फारसी लिपि में लिखित ग़ज़ल : एक सामान्य परिचय
iii अरबी- फारसी लिपि में लिखित विभिन्न उपन्यास : एक सामान्य परिचय
iv अरबी- फारसी लिपि में लिखित कहानी : एक सामान्य परिचिय

इकाई-2

अरबी- फारसी लिपि में लिखित हिन्दी साहित्य के प्रमुख शायर और शायरी

I मीर तकी मीर (निर्धारित -शायरी-1,8,15)
II मिर्ज़ा असदउल्ला ख़ाँ 'ग़ालिब' (निर्धारित - शायरी-6,14,16)
III मिर्ज़ा ख़ाँ दाग़ देहलवी (निर्धारित - शायरी-2,4)
IV शेरसिंह नाज देहलवी-खदंगे नाज (निर्धारित - एक शायरी)
V रघुपति सहाय फ़िराक़ 'गोरखपुरी'(निर्धारित - शायरी-1,4)

इकाई-3

अरबी- फारसी लिपि में लिखित हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय काव्यधारा और प्रमुख कवि

I नजीर अकबरावादी (कन्हैया का बालपन)
II फ़ैज़ अहमद 'फ़ैज़' (निर्धारित - शायरी-बोल.., तराना, आज तुमयाद बे-हिसाब आये)
III मोहम्मद इक़बाल(निर्धारित-शायरी-सितारों से आगे, तेरे इश्क की इन्तिहा चाहता हूँ)
IV मखदूम मोहिउद्दीन (निर्धारित - शायरी- जंगे आजादी, मौत का गीत)
V कैफी आजमी (निर्धारित - शायरी- नौजवान)

इकाई-4

अरबी- फारसी लिपि में लिखित हिन्दी का प्रमुख उपन्यास

उमरावजान अदा -मिर्ज़ा हादी 'रुसवा'

इकाई 5

अरबी- फारसी लिपि में लिखित हिन्दी की प्रमुख कहानियाँ

(I) रानी केतकी की कहानी- इंशाअल्लाह खां
(II) यह मेरी मातृभूमि है - सोजे वतन- प्रेमचंद

पाठ्य ग्रन्थ:

इकाई- 2-3 हेतु उर्दू के प्रतिनिधि शायर और उनकी शायरी - प्रो वशिष्ठ अनूप
इकाई- 4 हेतु - उमरावजान अदा - मिर्ज़ा हादी 'रुसवा'
इकाई- 5 हेतु निर्धारित कहानियां - रानी केतकी की कहानी- इंशाअल्लाह खां
यह मेरी मातृभूमि है - सोजे वतन- प्रेमचंद

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. उपन्यास की संरचना - गोपाल राय
2. औरतें पाकिस्तान बनाम हिंदुस्तान- विश्वमित्र शर्मा
3. उर्दू पर खुलता दरीचा- डॉ गोपीचंद नारंग
4. उर्दू साहित्य की परंपरा- डॉ जानकी प्रसाद शर्मा
5. उर्दू साहित्य का देवनागरी में लिपिकरण- डॉ वागीश शुक्ल
6. उर्दू साहित्य का इतिहास - डॉ सभापति मिश्र
7. उर्दू के प्रतिनिधि शायर और उनकी शायरी - प्रो. अनूप वशिष्ठ
8. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- एहतेशाम हुसैन

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-112 (HIL-112) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1

हिन्दी काव्यशस्त्र का इतिहास - सामान्य परिचय ।

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य की आत्मा ।

इकाई-2

रस सिद्धांत - रस का स्वरूप, रस के अवयव, भरत मुनि का रससूत्र और उसके व्याख्याकार, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ।

अलंकार सिद्धांत - अलंकार की अवधारणा एवं अन्य संप्रदाय, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, हिंदी के प्रमुख अलंकार और उदाहरण-यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेहमान, समासोक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, निदर्शना, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास ।

ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि सिद्धांत का महत्व ।

इकाई-3

रीति सिद्धांत - रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण- दोष, रीति का वर्गीकरण, शब्द-शक्तियां।

वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व ।

औचित्य सिद्धांत - औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

इकाई-4

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय, प्लेटो-काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत। अरस्तू का काव्य सिद्धांत-अनुकरण सिद्धांत, प्लेटो और अरस्तू की अनुकरण विषयक धारणा। विरेचन सिद्धांत, त्रासदी। लोंजाइनस - काव्य में उदात्त का महत्व।

इकाई-5

क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, टी.एस. इलियट - निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, आई.ए.रिचर्डस - मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत, वर्ड्सवर्थ - काव्य भाषा का सिद्धांत। मैथ्यू अर्नाल्ड : कला और नैतिकता।

साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएँ- अभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना, साहित्य चिंतन के विविधवाद, साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकतावाद।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. रस मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. संस्कृत आलोचना : आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ.नगेन्द्र
4. काव्यशास्त्र : डॉ भागीरथ मिश्र
5. भारतीय काव्य विमर्श : आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी
6. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. गणेश त्रयम्बक देशपांडे
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. तारकनाथ बाली
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
10. अरस्तू का काव्यशास्त्र - डॉ. नगेंद्र
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव शर्मा
13. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
14. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन- डॉ सभापति मिश्र
15. आधुनिक समीक्षा - डॉ. भगवतस्वरूप मिश्र
16. पाश्चात्य साहित्यालोचन एवं हिंदी पर उसका प्रभाव - डॉ. रवींद्र सहाय वर्मा
17. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र - डॉ. विष्णुदत्त राकेश
18. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - डॉ. निर्मला जैन
19. नई समीक्षा के प्रतिमान - डॉ. निर्मला जैन
20. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र: सिद्धांत और परिदृश्य - डॉ. नगेंद्र
21. कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह

22. आलोचक और आलोचना- डॉ. बच्चन सिंह
23. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - डॉ.मैनेजर पाण्डेय
24. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार - डॉ कृष्णदत्त पालीवाल
25. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: अधुनातन संदर्भ - डॉ.. सत्यदेव मिश्र
26. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श - डॉ.सुधीश पचौरी
27. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ.सुरेश कुमार जैन
28. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार - डॉ. देवीशंकर 'नवीन'
29. समीक्षालोक - डॉ. भगीरथ दीक्षित
30. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
31. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
32. साहित्य शास्त्र और हिन्दी आलोचना - डॉ सभापति मिश्र

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-113 (HIL-113) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - आधुनिक हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1

क) 1857 ई. की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण

ख) आधुनिकता की अवधारणा

ग) खड़ीबोली के विकास में भारतेंदु का योगदान

घ) भारतेंदु का काव्य : 'रोअहूँ सब मिलि कै भाई', 'कहाँ करुणानिधि केशव सोए'

इकाई-2

क) हिंदी नवजागरण, 'सरस्वती' का साहित्यिक योगदान

ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान

ग) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का काव्य : 'प्रिय प्रवास' (प्रथम सर्ग)

घ) मैथिलीशरण गुप्त का काव्य : भारत भारती से 'आर्य कविता', 'साकेत'- नवम सर्ग

इकाई-3

क) छायावाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, साहित्यिक अवदान

ख) कामायनी : सामरस्य सिद्धान्त, प्रासंगिकता

ग) जयशंकर प्रसाद का काव्य : कामायनी-श्रद्धा, लज्जा, इड़ा सर्ग

घ) सुमित्रानन्दन पंत : सौन्दर्य -दृष्टि

ङ) सुमित्रानन्दन पंत का काव्य : परिवर्तन, प्रथम रश्मि

इकाई-4

क) राम की शक्तिपूजा का महाकाव्यत्व

ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का काव्य : सरोज स्मृति

ग) महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना और प्रेम तत्व

घ) महादेवी वर्मा का काव्य : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

इकाई-5

क) मस्ती एवं आह्लाद का काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) हरिवंश राय 'बच्चन' की सौन्दर्यानुभूति

ग) हरिवंश राय 'बच्चन' का काव्य : उस पार न जाने क्या होगा, आत्मदीप

घ) श्याम नारायण 'पाण्डेय' की कविताओं में राष्ट्र-बोध

ङ) श्याम नारायण 'पाण्डेय' का काव्य : हल्दीघाटी-प्रथम सर्ग, जौहर-दूसरी चिंगारी

आधार ग्रन्थ :

1. महादेवी वर्मा : संधिरेखा
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी
3. सुमित्रानन्दन पंत:सुमित्रानन्दन पंत ग्रंथावली(भाग-1)
4. नंदकिशोर नवल (सम्पादन) निराला रचनावली-2
5. श्याम नारायण पाण्डेय : हल्दीघाटी-प्रथम सर्ग, जौहर-दूसरी चिंगारी

संदर्भ ग्रन्थ :

6. डॉ. नामवर सिंह : छायावाद
6 डॉ. नगेन्द्र : सुमित्रानन्दन पंत
7 गणपति चन्द्र गुप्त:महादेवी नया मूल्यांकन
8 डॉ.ए.अरविन्दाक्षन (सं) : निराला एक पुनर्मूल्यांकन
9 विनोद शाही : जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन
10 नन्ददुलारे वाजपेयी : कवि सुमित्रानंदन पन्त

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-114 (HIL-114) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिन्दी साहित्य की किसी एक विधा का विशेष अध्ययन- हिन्दी **निबंध**

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास

(क) निबंध: परिभाषा एवं स्वरूप

(ख) निबंध के प्रकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियां

(ग) निबंध लेखन की विविध शैलियां

(घ) हिंदी निबंध लेखन की परंपरा एवं विकास

(ड) आधुनिक प्रमुख गद्य विधाएं

इकाई -2 निबंध की परंपरा एवं भारतेंदु युग, भारतेंदु युगीन निबंधकार

(क) भारतेंदु के निबंध

निबंध- दिल्ली दरबार दर्पण, भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है ?

(ख) निबंधकार के रूप में प्रतापनारायण मिश्र का योगदान

निबंध- शिवमूर्ति

इकाई-3 निबंध की परंपरा एवं द्विवेदी युग, द्विवेदीकालीन निबंध लेखक

(क) निबंधकार के रूप में बालमुकुंद गुप्त का योगदान

निबंध - शिवशंभु के चिट्ठे

(ग) अध्यापक पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

इकाई-4

(क) निबंध की परंपरा एवं आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शुक्लोत्तर हिन्दी निबंध यात्रा

निबंध-कविता क्या है

(ख) निबंध की परंपरा एवं आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

निबंध- नाखून क्यों बढ़ते हैं

(ग) निबंध की परंपरा एवं विद्यानिवास मिश्र

निबंध- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

इकाई-5

(क) ललित निबंध की परंपरा में कुबेरनाथ राय

निबंध- 'उत्तराफाल्गुनी के आसपास'

(ख) निबंध की परंपरा एवं विवेकी राय

निबंध:- 'उठ जाग मुसाफ़िर'

(ग) समकालीन निबंध लेखक और ललित निबंधकार

पाठ्य ग्रंथ:-

1. सत्यप्रकाश मिश्र (सं)-भारतेंदु के श्रेष्ठ निबंध
2. बालमुकुंद गुप्त- एक दुराशा
3. सरदार पूर्ण सिंह के निबंध - प्रभात शास्त्री
4. सत्यप्रकाश मिश्र- बालमुकुंद के श्रेष्ठ निबंध
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल- चिंतामणि (पहला भाग)
6. आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी- अशोक के फूल
7. विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
8. कुबेरनाथ राय- प्रिया नीलकंठी

संदर्भ ग्रन्थ :

1. डॉ. विभुराम मिश्र एवं डॉ.ज्योतीश्वर मिश्र-प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार
2. डॉ. सुमिता लोहिया- हिन्दी के ललित निबंध
3. डॉ. पीयूष गुलेरी - श्री चंद्रधर शर्मा गुलेरी:व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4. डॉ. कृष्णदेव शर्मा -अशोक के फूल (समीक्षा)
5. डॉ. वेदवती राठी-हिन्दी ललित निबंध स्वरूप : एक विवेचन

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-115 (HIL-115) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पत्रकारिता

इकाई - 1

प्रयोजनमूलक भाषा और हिंदी, प्रयुक्ति की संकल्पना, प्रयुक्ति के प्रकार, स्वरूप और तत्व प्रयुक्तियों की सामान्य विशेषताएँ - कार्यालय, मीडिया, वाणिज्य और विज्ञान।

इकाई - 2

प्रशासन: एक विशेष भाषायी इकाई, कार्यालय का स्वरूप, प्रशासनिक भाषा प्रशासनिक भाषा की संरचनात्मक विशेषताएँ ।

इकाई - 3

मसौदा लेखन-सामान्य सिद्धांत और अभ्यास, सरकारी पत्राचार-प्रकार और स्वरूप, पत्र : आवेदन पत्र, अंतरिम उत्तर, स्मरण पत्र, पृष्ठांकन, प्रतिवेदन, आदेश, कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, स्वीकृति और अनुमति, अधिसूचना, संकल्प, परिपत्र ,स्वीकृति पत्र, बैठक का कार्यक्रम, कार्यसूची, कार्यवृत्त ।

इकाई - 4

टिप्पणी लेखन-सामान्य सिद्धांत, प्रकार : सहायक और अधिकारी स्तर,
सारलेखन : क्रमिक और तारीखवय सार सिद्धांत, प्रकार और पद्धति।

इकाई - 5

हिन्दी औरजनसंचार, जनसंचारअर्थ : स्वरूप और महत्व,जनसंचार के विविध माध्यम और उनका क्रमिक विकास,जनसंचार के प्रकार प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक माध्यम आदि, विज्ञापनअर्थ : स्वरूप और प्रकार , संपादन कला, जनसंचार माध्यमों में हिन्दी की स्थिति ।

सहायक ग्रंथ:

1. आर. सर्राजू : प्रयोजनमूलक हिंदी स्थिति संदर्भ और प्रयुक्ति विश्लेषण
2. कृष्ण कुमार गोस्वामी, शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी
3. कृष्ण कुमार गोस्वामी, प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी
4. कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख आधुनिक हिंदी विविध आयाम
5. सु नागलक्ष्मी, प्रयोजनमूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. राजभाषा हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया
8. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव
9. कार्यालय क्रिया विधि : चिरंजीलाल
10. सम्पादकीय विमर्श- डॉ बल्देव भाई शर्मा
11. अखबार और विचार - डॉ बल्देव भाई शर्मा

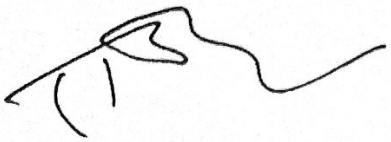

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-116 (HIL-116) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - पूर्वोत्तर साहित्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई - एक

पूर्वोत्तर का परिचय एवं भाषा-संस्कृति
असमिया साहित्य का इतिहास
मणिपुरी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

इकाई - दो

प्राचीन काव्य नाटक का अध्ययन
श्रीमंत शंकरदेव - बर गीत
श्रीश्री माधवदेव बर गीत, झुमुरा नाटक (पिंपराजुचोला)

इकाई- तीन

आधुनिक साहित्य : असमिया
निबंध : डॉ मणिकांत कारकात (दो निबंध)
असमिया आधुनिक कविताएं-5
असमिया आधुनिक कहानियां -दो

इकाई -चार
आधुनिक साहित्य : मणिपुरी
निबंध (मणिपुर की संस्कृति से संबंधित)
मणिपुरी आधुनिक कविताएं-5
मणिपुरी आधुनिक कहानियां-2

इकाई - पांच

पूर्वोत्तर का लोकोत्सव-
मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल
असम की लोककथाएं- दिनकर कुमार
अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों की लोककथाएं- काताम

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1 असमिया साहित्यर समीक्षात्मक इतिवृत्त - डॉ सत्येन्द्र नाथ शर्मा
2 असमिया साहित्यर रूपरेखा - डॉ महेश्वर नेओग
3 कविता और आधुनिक असमिया कविता- डॉ पूर्ण भट्टाचार्य
4 पूर्वोत्तर राज्यों में हिन्दी साहित्य के लेखन का इतिहास- डॉ हरेराम पाठक
5 असमिया साहित्य का इतिहास - डॉ भूपेंद्र रायचौधुरी
6 स्वातंत्र्योत्तर असमिया कविता की विकास धारा- नवकांत शर्मा
7 पूर्वोत्तर भारत -भाषा साहित्य और संस्कृति- सं सुनील कुमार, आलोक सिंह
8 पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक पहचान- डॉ माधवेन्द्र प्रसाद पाण्डेय
9 पूर्वोत्तर के आदिवासी समाज, लोकसाहित्य एवं संस्कृति-डॉ जयश्री सिंह
10 असम की लोककथाएं- दिनकर कुमार
11अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों की लोककथाएं- काताम

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: एच.आई.एल-117 (HIL-117) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिन्दी आलोचना

इकाई-1

आचार्य रामचंद्र शुक्ल

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई-2

आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी

आचार्य शांतिप्रिय द्विवेदी

इकाई-3

जयशंकर प्रसाद

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

इकाई-4

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय

गजानन माधव मुक्तिबोध

इकाई-5

डॉ रामविलास शर्मा,

डॉ नगेन्द्र,

डॉ नामवर सिंह

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी आलोचना - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी आलोचना का विकास - डॉ. नंदकिशोर नवल
3. हिंदी आलोचक: शिखरों का साक्षात्कार - डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. आलोचक के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य - डॉ. शिवकर्ण सिंह
5. आलोचक और आलोचना - डॉ. बच्चन सिंह
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
7. दूसरी परंपरा की खोज - डॉ. नामवर सिंह
8. साहित्य का नया शास्त्र - डॉ. गिरिजा राय
9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न - डॉ.राधेश्याम दुबे,डॉ.राजकुमार उपाध्याय मणि

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-118 (HIL-118) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 छायावादोत्तर हिन्दी काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ

क) छायावादोत्तर काव्य : राजनैतिक,सामाजिक परिस्थितयां

ख) दिनकर का काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक स्वरूप

ग) दिनकर का काव्य : उर्वशी तृतीय अंक

इकाई-2 प्रगतिवादी कविता

क) प्रगतिवाद

ख) नागार्जुन का काव्य : सामाजिक-राजनैतिक स्वरूप

ग) नागार्जुन का काव्य : कालिदास, अकाल और उसके बाद, मनुष्य हूँ

इकाई-3 प्रयोगवादी कविता

क) **प्रयोगवाद : तार सप्तक एवं अन्य सप्तक**

ख) अज्ञेय का काव्य : संवेदना एवं सौन्दर्यात्मक पक्ष

ग) अज्ञेय का काव्य : यह दीप अकेला, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार

इकाई-4 नई कविता

च) भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य : गाँधीवादी चेतना, इतिहास एवं समाज

छ) भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य : गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल

ज) मुक्तिबोध की फैंटेसी, मुक्तिबोध का शब्द-प्रतीक

झ) मुक्तिबोध का काव्य : ब्रह्म राक्षस, अँधेरे में

इकाई-5 समकालीन कविता

क) समकालीनता : अवधारणा एवं स्वरूप

ख) केदारनाथ सिंह का काव्य : बुनाई का गीत, मेरी भाषा के लोग

ग) धूमिल का काव्य : मोचीराम, अकाल दर्शन

पाठ्य ग्रन्थ:

1. अज्ञेय रचनावली (खण्ड- 2) डॉ कृष्णदत्त पालीवाल

3. कल सुनना मुझे- सुदामा पाण्डेय धूमिल

5. प्रतिनिधि कवितायें-नागार्जुन

6.केदारनाथ सिंह-पचास कविताएँ- नयी सदी के लिए- (सं) गोबिन्द प्रसाद

7. मुक्तिबोध रचनावली - सं- नेमिचंद जैन

संदर्भ ग्रन्थ :

8. मुक्तिबोध और उनकी कविता- डॉ. बृजबाला सिंह
9. प्रगतिशील काव्यधारा और त्रिलोचन- डॉ. हरिनिवास पाण्डेय
10. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार -कृष्ण दत्त पालीवाल

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-119 (HIL-119) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिन्दी नाटक और रंगमंच

इकाई-1

नाटक के प्रकार एवं तत्व

हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण : भारतेंदु युग, प्रसाद युग

1. अंधेर नगरी- भारतेंदु हरिश्चंद्र (व्याख्या)
2. ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद (परिचय)

इकाई-2

हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण : प्रसादोत्तर युग

1. सिंदूर की होली- लक्ष्मीनारायण लाल (परिचय)
2. अंधा युग- धर्मवीर भारती (व्याख्या)

इकाई-3

हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण : स्वातंत्र्योत्तर युग

1. आधे अधूरे, आषाढ़ का एक दिन- मोहन राकेश (व्याख्या)
2. आगरा बाजार- हबीब तनवीर (परिचय)

इकाई-4

हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण : साठोत्तर युग

1. बकरी- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (व्याख्या)
2. एक और द्रोणाचार्य- शंकर शेष (परिचय)

इकाई-5

हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण : समकालीन नए नाटक का युग

1. अंजो दीदी- उपेंद्रनाथ अश्क (परिचय)
2. इतिहास चक्र - दया प्रकाश सिन्हा (परिचय)

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा
2. पहला रंग - डॉ. देवेंद्र नाथ अंकुर
3. रंग परंपरा - डॉ. नेमिचंद्र जैन
4. एकांकी सप्तक - डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
5. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ. जगन्नाथप्रसाद शर्मा
6. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान - वशिष्ठनारायण त्रिपाठी
7. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्परूप - डॉ. नर्वेदेश्वर राय
8. रंग हबीब - भारत रत्न भार्गव
9. नाटक और रंग परिकल्पना - डॉ. गिरीश रस्तोगी
10. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना - डॉ. गिरीश रस्तोगी
11. रंगमंच और नाटक की भूमिका - डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
12. हिंदी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह
13. भारतीय नाट्य साहित्य - डॉ. नगेंद्र
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच: समस्या और उपलब्धि - डॉ. ओ पी शर्मा
15. हिन्दी नाट्य साहित्य के चतुःस्तम्भ - डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-120 (HIL-120) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - **हिन्दी क्षेत्र का लोक साहित्य**

इकाई-1

'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति, लोक साहित्य का स्वरूप, परिभाषाएँ, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य ।

इकाई-2

लोक साहित्य का महत्व, लोक साहित्य के संकलन का उद्देश्य, पद्धतियाँ, समस्याएँ व समाधान।

इकाई-3

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश के लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

इकाई-4

क-लोकगीत: परिभाषाएँ, लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ ।

ख-लोकगाथा: परिभाषाएँ, लोकगाथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांत, वर्गीकरण, किसी एक लोकगाथा का सामान्य परिचय -ढोला-मारू रा दूहा, नल - दमयंती, हीर - राँझा ।

ग-लोककथा: परिभाषाएँ, लोककथाओं का वर्गीकरण।

घ-लोकनाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माच, नौटंकी, कुचीपुड़ी, तमाशा, गोंधल (दो का विशेष अध्ययन)।

इकाई-5

लोक साहित्य का कला पक्षः भावव्यंजना, रसपरिपाक, भाषा, अलंकार-योजना, छंद-विधान, प्रतीकात्मकता आदि दृष्टियों से विवेचन ।

सन्दर्भ ग्रंथ:

1 हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास (सोलहवाँ-भाग) - नागरी प्रचारिणी सभा

2 लोक साहित्य की भूमिका - डॉ कृष्णदेव उपाध्याय

3 लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ त्रिलोचन पाण्डेय

4 लोक साहित्य विज्ञान - डॉ सत्येंद्र

5 ग्राम गीत - पं रामनरेश त्रिपाठी

6 भोजपुरी लोक साहित्य - डॉ कृष्णदेव उपाध्याय

7 भारतीय लोक साहित्य - डॉ श्याम परमार

8 लोक साहित्य: सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा

9 लोक साहित्य के प्रतिमान - डॉ कुंदनलाल उप्रेती

10 खड़ी बोली का लोकसाहित्य - डॉ सत्यगुप्त

11 लोकवार्ता और लोकगीत - डॉ सत्येंद्र

12 भोजपुरी साहित्य का इतिहास (सं) - डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि

13 बघेली साहित्य का इतिहास - डॉ आर्या प्रसाद त्रिपाठी

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,धर्मशाला

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल-121 (HIL-121) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम शीर्षक - **लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी परीक्षा**